पंजीयन क्रं. 06/09/01/04737/04

# विचार मासिक पत्रिका

कुल पृष्ठ 24, वर्ष 3, अंक 31 | माह - अक्टूबर 2021, मूल्य - निःशुल्क

आपके विकास को समर्पित

॥ विचार समिति ॥

( स्थापना वर्ष 2003 )

## ग्राम मोठी में गोबर से निर्मित दिए का निर्माण करतीं महिलाएं

# पदाधिकारी

**कपिल मलैया**
संस्थापक व अध्यक्ष
मो. 9009780020

**सुनीता जैन**
कार्यकारी अध्यक्ष
मो. 9893800638

**सौरभ रांधेलिया**
उपाध्यक्ष
मो. 8462880439

**आकांक्षा मलैया**
सचिव
मो. 9165422888

**विनय मलैया**
कोषाध्यक्ष, मो. 9826023692

**नितिन पटैरिया**
मुख्य संगठक, मो. 9009780042

**अखिलेश समैया**
मीडिया प्रभारी, मो. 9302556222

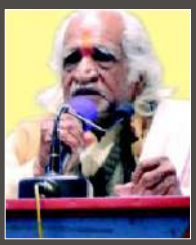

**हरगोविंद विश्व**
मार्गदर्शक

**राजेश सिंघई**
मार्गदर्शक

**श्रीयॉश जैन**
मार्गदर्शक

**गुलझारीलाल जैन**
मार्गदर्शक

**प्रदीप रांधेलिया**
मार्गदर्शक

**अंशुल भार्गव**
मार्गदर्शक

विचार समिति का मासिक प्रकाशन

# विचार मासिक पत्रिका

वर्ष - 3, अंक - 31, अक्टूबर - 2021

**संपादक**

**आकांक्षा मलैया**

प्रबंधक व प्रकाशक

विचार समिति

स्वामित्व

विचार समिति

258/1, मालगोदाम रोड, तिलकगंज वार्ड,
आदिनाथ कार्स प्रा. लिमि.
के पीछे, सागर ( म.प्र. )
पिन - 470002

**Email: sanstha.vichar@gmail.com**

**Phone: 9575737475**

**07582-224488**

मुद्रण

तरूण कुमार सिंघई, अरिहंत ऑफसेट
पारस कोल्ड स्टोरेज, बताशा गली,
रामपुरा वार्ड, सागर ( म.प्र. )
पिन - 470002

# इस अंक में

## आलेख :-

1. नवरात्रि में नव दिवसीय देवी उपासना का आध्यात्मिक अर्थ ..... 4

2. जैविक खेती - एक पुनर्विचार ..... 6

## विचार समिति की गतिविधियां :-

1. वर्चुअल माध्यम से 15 दिवसीय योग प्रशिक्षण ..... 8

2. विचार समिति द्वारा 51 परिवारों के 150 बच्चे सम्मानित ..... 9

3. गाय का गोबर-लक्ष्मी का वास ..... 11

4. गौ संरक्षण, रोजगार, पर्यावरण के प्रति विचार समिति की अनूठी पहल : कलेक्टर दीपक आर्य..... 14

5. छात्र और करियर के प्रति जागरूकता ..... 15

6. स्व सहायता समूह की महिलाओं को रोजगार देना सराहनीय कार्य : जिला एवं सत्र न्यायाधीश ..... 16

7. मियावाकी पद्धति से 3 माह पूर्व लगाए गये पौधे 6-8 फीट के हुए ..... 17

8. बच्चों को निःशुल्क पुस्तक वितरण ..... 18

9. जरूरतमंद बच्चों को वस्त्र वितरण ..... 18

10. विद्यार्थी व शिक्षक की जिज्ञासा से बढ़ेगी गुणवत्ता .... 19

11. निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर ..... 20

**मीडिया कवरेज :-** ..... 21

# नवरात्रि में नव दिवसीय देवी उपासना का आध्यात्मिक अर्थ

- ध्वनित गोस्वामी

नवरात्रि सनातन भारतीय परंपरा का एक महत्वपूर्ण त्योहार है। भारत वर्ष के सभी क्षेत्रों में माँ भवानी की उपासना को समर्पित यह पर्व गहरी श्रद्धा एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। शाक्त परंपरा के अनुसार, वर्ष में चार बार नवरात्रि आती है, किन्तु चैत्र मास में आने वाली बसंत नवरात्रि तथा अश्विन मास में आने वाली शारदीय नवरात्रि सभी के द्वारा व्यापक स्तर पर मनाई जाती है। विशेष कर, अश्विनी नवरात्रि का पर्व समग्र भारत में विविध रूप में देवी उपासना के एक बड़े उत्सव के रूप में मनाया जाता है। उत्तर भारत में मातारानी के जगराते आयोजित किये जाते है, गुजरात में माँ अम्बा की स्तुति करते हुए परंपरागत गरबा नृत्य किया जाता है। दक्षिण भारत में विद्यारम्भ आयोजित होता है, तथा बंगाल समेत समग्र पूर्व भारत में दुर्गा पूजा का महापर्व बड़े ही धूमधाम से मनाया जाता है।

वैसे तो नवरात्रि में देवी उपासना विविध प्रकार से की जाती है, जैसे कुछ लोग नवदुर्गा का पूजन करते हैं : शैलपुत्री, ब्रह्मचारिणी, चन्द्रघन्टा, कुष्माण्डा, स्कन्दमाता, कात्यायनी, कालरात्रि, महागौरी, सिद्धिदात्री। कुछ भगवती की आराधना दश महाविद्या की उपासना के द्वारा करते हैं : काली, तारा, षोडशी, भुवनेश्वरी, भैरवी, छिन्नमस्ता, धूमावती, बगलामुखी, मातङ्गी, कमला।

चण्डी पाठ के नाम से प्रसिद्ध दुर्गा सप्तशती शाक्त परंपरा में भगवती आराधना का एक अति महत्वपूर्ण ग्रन्थ है। यह मार्कण्डेय पुराण का एक अंग है। यह ग्रन्थ 700 श्लोक तथा 13 अध्याय में विभाजित है, जिसमें देवी चण्डी के विविध स्वरूपों का विवरण कर उनकी स्तुति की गई है। देवी परंपरा के अनुसार, जगत जननी चण्डी असुरों, राक्षसों तथा सभी प्रकार की नकारात्मकताओं एवं दुर्बलता का नाश कर संसार की रक्षा करती है। सनातन धर्म में प्रत्येक परंपरा की कथा तथा उपासना में गूढ़ आध्यात्मिक दर्शन समाया हुआ है। ठीक इसी प्रकार, दुर्गा सप्तशती में देवी के द्वारा जिन राक्षसों के वध का वर्णन किया गया है, वह मात्र कहानियां नहीं है, अपितु भगवती चण्डी की नौ दिनों की उपासना के माध्यम से साधक को उसकी भीतर की आसुरी तत्वों को पराजित करके निर्वाण प्राप्ति हेतु अग्रसर करने के लिए मार्गदर्शन देती है।

वैदिक दर्शन के अनुसार, मनुष्य का स्थूल देह ब्रह्माण्ड के आधारभूत पंच महाभूत (पृथ्वी, अग्नि, जल, वायु, आकाश) से बना हुआ है, इसीलिए यजुर्वेद में ऋषियों ने कहा है: यथा ब्रह्माण्डे तथा पिण्डे, जिसका तात्पर्य है जो ब्रह्माण्ड में है, वही मनुष्य शरीर में उपस्थित है। दार्शनिक दृष्टिकोण से, असुर तथा राक्षस उन नकारात्मक ब्रह्माण्डीय तत्वों का प्रतिनिधित्व करते हैं, जो मनुष्य के चित्त के भीतर में उपस्थित है और मनुष्य की बुद्धि को भ्रमित कर उसे जन्म

और मृत्यु के चक्र से बांधते हैं। देवी चण्डी की उपासना इन नकारात्मक आसुरिक तत्वों से मनुष्य बुद्धि को मुक्त करने वाली है।

चण्डी पाठ के 13 अध्याय तीन भागों में विभाजित है : प्रथम चरित्र, मध्यम चरित्र तथा उत्तम चरित्र। प्रथम चरित्र में देवी महाकाली का उग्र रूप धारण कर मधु-कैटभ का वध करती है, जब भगवान विष्णु निद्राधीन होते है। मध्यम चरित्र में देवी महालक्ष्मी स्वरूप में महिषासुर का सैन्यसमत वध करती है। उत्तम चरित्र में देवी महासरस्वती के रूप में विविध स्वरूप धारण कर रक्तबीज, धूम्रलोचन, शुम्भ-निशुम्भ, चण्ड-मुण्ड समेत कई सारे असुरों एवं राक्षसों का उनकी विशाल सेना सहित संहार करती है।

प्रथम चरित्र में मधु कैटभ असुरों का जन्म भगवान नारायण के कर्ण में होता है, जब वे निद्राधीन होते है। इन दोनों असुरों का वध देवी महाकाली का उग्र स्वरूप धारण करके करती है। मधु-कैटभ मनुष्य के तमस का प्रतिनिधित्व करते हैं, जो मनुष्य को भौतिक जीवन में इतना उलझा देते हैं, की वह अर्थ और काम को ही महत्व दे मोक्ष प्राप्ति के लिए यतन करना भूल जाता है। कालचक्र को संचालित करने वाली महाकाली 'क्रिया शक्ति' है, जो मनुष्य को इस तामसिक निद्रा से जगाती है।

मध्यम चरित्र में देवी महालक्ष्मी के स्वरूप में महिषासुर का वध करती है। संस्कृत में महिष का अर्थ होता है 'भैंस', जो की आलस्य तथा अहंकार का प्रतिनिधित्व करता है। महिषासुर मनुष्य के स्वभाव में समाहित आलस्य, अहंकार, द्वेष के राजसिक एवं तामसिक दोषों का प्रतीक है। महालक्ष्मी 'इच्छा शक्ति' है, जो इन दोषों को नाश करती है।

**उत्तम चरित्र में देवी महासरस्वती स्वरूप में विविध रूप धारण कर निम्नलिखित असुरों का वध करती है -**

- **धूम्रलोचन :-** वह जिसकी आंखों में धुआं है। यह असुर मनुष्य वृत्ति की भ्रमित धारणा का प्रतीक है।
- **चण्ड-मुण्ड :-** मुण्ड का अर्थ है जो दूसरों का सर काट दे। यह असुर मनुष्य स्वभाव के क्रोधी एवं वैरभाव का प्रतीक है।
- **रक्तबीज :-** इसका शाब्दिक अर्थ ही है रक्त की बूंद। यह असुर मनुष्य की तृष्णा का प्रतीक है, जो कभी पूर्ण नहीं होती।
- **शुम्भ-निशुम्भ :-** इन नामों का शाब्दिक अर्थ है हत्या करना। यह दो असुर 'अहंकार' तथा 'ममकार' का प्रतीक है, जो मनुष्य को भौतिक जगत की माया में जकड़कर, उसकी बुद्धि को अविद्या से ग्रसित कर, उसके आत्म की हत्या कर देते हैं।

महासरस्वती ज्ञान शक्ति है, जिनकी साधना से मनुष्य बुद्धि में आन्वीक्षिकी तथा आत्मज्ञान का जन्म होता है, जो मनुष्य को सही मार्गदर्शन देता हुआ विचार प्रक्रिया का संचयन करता है।

चित्त शुद्धि एवं एकाग्र चित्त का विकास, जो मनुष्य को अविद्या के अन्धकार से बाहर लेने के लिए अति आवश्यक है, वह मात्र साधना के मार्ग से संभव है। महाकाली, महालक्ष्मी तथा महासरस्वती की शुद्ध भाव से उपासना मनुष्य प्रकृति को तमस से रजस, रजस से सत्व में और सत्व से गुणातीत अवस्था तक पहुंचा कर आत्मा को मोक्ष के मार्ग पर अग्रसर करती है।

# जैविक खेती - एक पुनर्विचार

विचार समिति के कोषाध्यक्ष विनय मलैया केंचुआ खाद बनाने की विधि बताते हुए।

**विनय मलैया**
कोषाध्यक्ष
विचार समिति

जैविक खेती को मूल रूप से प्राकृतिक खेती कहा जाता है। मिट्टी में सूक्ष्म जीव होते हैं जो हमारे द्वारा लगायी जाने वाली फसल के मित्र होते हैं, उनकी संख्या जितनी अधिक होगी फसल की पैदावार, गुणवत्ता व पौष्टिकता के साथ अच्छी खेती होगी। इसी संतुलन के साथ खेती करना जैविक खेती कहलाता है। हरित क्रांति के आ जाने के बाद अन्न तो पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हो गया लेकिन जहरीले रासायनिक उर्वरकों, कीटनाशकों का प्रयोग अधिक मात्रा में हो गया और नतीजतन यह रसायन पहुंच गए हमारे खाने में। आज हम देखते हैं कि तरह-तरह की बीमारियां किस तरह हावी होती जा रही हैं। हमारे पूर्वज मानव स्वास्थ्य के अनुकूल तथा प्राकृतिक वातावरण के अनुरूप खेती करते थे, जिससे जैविक और अजैविक पदार्थों के बीच आदान-प्रदान का चक्र निरंतर चलता रहता था। जिसके फलस्वरूप जल, भूमि, वायु तथा पर्यावरण प्रदूषित नहीं होता था।

भारत वर्ष में प्राचीन काल से कृषि के साथ-साथ गौपालन किया जाता रहा है। गौपालन संयुक्त रूप से अत्यधिक लाभकारी था जो कि मानव मात्र व वातावरण के लिए अत्यंत उपयोगी था परंतु बदलते परिवेश के साथ गौपालन कम, कृषि में तरह-तरह के

मिट्टी की उर्वरकता बढ़ाने की मलचिंग विधि

नीम की पत्तियों से कीटनाशक बनाया जा रहा है।

कम लागत में गायों के लिए चारा खाने का स्थान

डिब्बे में विभिन्न प्रकार के एंजाइम

रासायनिक खादों के प्रयोग से जैविक-अजैविक पदार्थों के बीच संतुलन बिगड़ता जा रहा है। मानव जाति एवं वातावरण को प्रदूषित, प्रभावित कर रहा है। इसके लिए आवश्यकता है हम खेती में बदलाव लाएं और इस बदलाव का नाम जैविक खेती या आज के समय जीरो बजट फार्मिंग के नाम से जाना जाता है क्योंकि जैविक खेती मूल्यत: गाय के गोबर से बनी खाद, पत्तों से बनी खाद, नीम से बनाए अमृत जल के छिड़काव तथा यह श्रम आधारित खेती है।

जैविक खेती करने के लिए गाय वरदान है। गाय के गोबर में करोड़ों सूक्ष्म जीवाणु पाए जाते हैं। गौमूत्र एवं गोबर से जीवामृत, घनजीवामृत तैयार कर खेतों में सूक्ष्म जीवाणु जमीन में उपलब्ध तत्वों से पौधों के भोजन निर्माण का कार्य करते हैं।

आज आवश्यकता है रासायनिक खादों, जहरीले कीटनाशकों के स्थान पर जैविक खादों का उपयोग कर अधिक से अधिक उत्पादन प्राप्त कर सकते हैं। जिससे भूमि, जल एवं वातावरण शुद्ध रहेगा और मनुष्य स्वस्थ रहेगा।

विचार समिति पिछले 6 वर्षों से जीरो बजट फार्मिंग पर कार्य कर रही है। हमारा प्रयास है कि किसान जैविक खेती की तरफ लौटें। गौ पालन के साथ उन्नत किस्म के बीज बोएं, संरक्षण करें, मल्टीलेयर खेती करें। इसके लिए समय-समय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाते आ रहे हैं।

हमारा उद्देश्य है इस विकास की दिशा में सभी को जागरूक करते हुए स्वस्थ समाज का निर्माण हो।

# वर्चुअल माध्यम से 15 दिवसीय योग प्रशिक्षण

कृष्णमाचार्य आधुनिक योग के जनक है। आज अभ्यास किये जाने वाला योग का प्रत्येक रूप या शैली प्रत्यक्ष रूप से कृष्णमाचार्य की उपज है। उन्होंने आसन और प्राणायाम पर बहुत जोर दिया था क्योंकि उनका दृढ़ विश्वास था कि जब तक शरीर स्वस्थ और बीमारी से मुक्त नहीं होगा तब तक मन को पार करने और अंदर की ओर बढ़ने का कोई रास्ता नहीं है।

विचार समिति ने सुरभि जौहरी योगावाहिनी के कुशल मार्गदर्शन में 15 दिवसीय योग श्रृंखला के वर्चुअल माध्यम से समिति के सदस्य, परिवारों ने श्वांस के आयाम, सगुण श्वांस का अनुभव, आसन और श्वांस का योग, आपकी अपनी शारीरिक क्षमता के अनुकूल आसन का लाभ, श्वांस के माध्यम से शांत मन का अनुभव की प्रक्रिया का अभ्यास किया।

सुरभि जौहरी योगावाहिनी के अनुसार, योग एक जुड़ाव की प्रक्रिया है। विनियोग योग पद्धति मैं श्वांस पर विशेष ध्यान के व्यक्तिगत क्षमताओं, आवश्यकता के अनुसार योगाभ्यास करवाया जाता है। यह पूरा जीवन श्वांस पर आधारित है। आसन सरल हो यह कठिन, जब वह श्वांस के साथ किया जाता है तो वह शरीर के अंदर से ठीक करने का कार्य करता है। अगर श्वांस को भूलकर योग किया तो वह साधारण अभ्यास ही होगा। अंदर से कोई बदलाव नहीं आयेगा।

विचार समिति की यह अच्छी पहल है। मुझे बहुत खुशी महसूस होती है कि हम जो सिखा रहे हैं वह ठीक तरीके से शिक्षार्थी की तरह सभी लोग सीख रहे हैं। मेरी कोशिश यही रहेगी कि किसी न किसी तरीके से समिति के माध्यम से इन लोगों से जुड़ी रहूं और योग को आगे बढ़ाती रहूं। समिति सचिव आकांक्षा मलैया ने इस अवसर पर कहा कि भारतीय संस्कृति और योग का गहरा संबंध है। योग स्वस्थ जीवन जीने के लिए तरीके का वर्णन करता है। आज के मशीनी दौर में दैनिक योग करने से तंत्रिका तंत्र मजबूत होता है और इस प्रकार हमारे शरीर को स्वस्थ और मजबूत बनाता है।

## 15 दिवसीय प्रशिक्षण में सदस्य परिवारों के अनुभव

मुझे 15 दिवसीय प्रशिक्षण के माध्यम से बहुत कुछ सीखने का अवसर मिला। सुरभि जी के द्वारा हम सभी ने योग के मुख्य तथ्यों को सीखा और उन्हें आत्मसात करने का प्रयास किया। विचार समिति की काफी अच्छी पहल है। समिति इस तरह के इवेंट करवाती रहे। धन्यवाद

**प्रभा साहू**

मुझे बहुत अच्छा लगा। एक क्रमागत योगा सीखा। मेरा प्रयास होगा कि मैं दैनिक जीवन में योग को शामिल कर सकूं।

**अर्चना चौरसिया**

15 दिन के प्रशिक्षण के माध्यम से बहुत कुछ सीखने को मिला। सुरभि जौहरी जी के कुशल मार्गदर्शन में श्वांस का महत्व, उसके साथ योग का संबंध, अच्छा कार्यक्रम रहा।

**सरिता गुरु**

गौरव महसूस होता है हम विचार समिति के सदस्य हैं और समिति सामाजिक मुद्दों से जुड़े कार्य कर रही है। योग करके हमने अपने आप में काफी बदलाव महसूस किया। समिति के माध्यम से जब भी भविष्य में इस तरह के योग शिविरों का आयोजन होगा, मैं उनसे जुड़कर बहुत कुछ सीखना और चाहूंगी।

**सुनीता ठाकुर**

# विचार समिति द्वारा 51 परिवारों के 150 बच्चे सम्मानित

## स्वतंत्रता दिवस पर 1133 स्थानों पर विचार समिति ने झंडावंदन किया था

विचार समिति के संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया बच्चों को प्रमाणपत्र वितरित करते हुए

विचार समिति ने 15 अगस्त को किए गए झंडावंदन कार्यक्रम का सम्मान समारोह आयोजित किया। इसमें नगरवासियों ने सहभागिता रखते हुए 1133 जगह झंडावंदन किया था। आयोजन समिति ने कार्यक्रम में भाग लेने वाले प्रतिभागियों में सबसे सुसज्जित और आकर्षक प्रस्तुतियां देने वालों को एक मंच प्रदान कर सम्मान कार्यक्रम होना निश्चित किया था। आज उसी को लेकर चयनित प्रतिभागियों में शामिल 51 परिवारों के 150 बच्चों का सम्मान समारोह कार्यक्रम जवाहर गंज वार्ड के मलैया परिसर में रखा गया। जिसमें बच्चों को प्रमाणपत्र और पदक से सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में विचार संस्था के संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया ने बताया कि बहुत लोगों के मन में इच्छा रहती है कभी हमको भी झंडावंदन करने का मौका मिले। यही मौका आपको मिले, इस सोच के साथ विचार समिति ने झंडावंदन करने का निर्णय लिया था। श्री मलैया ने राष्ट्रीय ध्वज में रंगों के मायने और महत्व बताते हुए कहा कि केसरिया रंग बलिदान तथा त्याग का प्रतीक है, साथ ही अध्यात्मिक

सम्मान समारोह के दौरान विचार समिति के पदाधिकारीगण व सदस्य उपस्थित थे।

दृष्टि से यह हिन्दु, बौद्ध तथा जैन जैसे अन्य धर्मों के लिए आस्था का प्रतीक है। सफेद रंग शान्ति का प्रतीक है तथा सफेद रंग स्वच्छता और ईमानदारी का प्रतीक है। हरा रंग खुशहाली और प्रगति का प्रतीक है एवं हरा रंग बीमारीयों को दूर रखता है, आखों को सुकून देता है।

समिति की कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने बताया कि सम्मान पाने वालों की खुशी देखकर मन प्रफुल्लित हो गया। ऐसा लग रहा है कि हर वर्ष समिति द्वारा 1100 नहीं 11000 जगह झंडा वंदन किया जाये।

समिति के मुख्य संगठक नितिन पटैरिया ने विचार मोहल्ला टीमों का आभार व्यक्त करते हुए बताया कि झंडा वंदन के पूर्व में एक डेमो वीडियो बनाकर 1100 से अधिक परिवारों तक प्रेषित किया गया था जिसके चलते हम झंडा वंदन के इस कार्यक्रम को सफलता की ओर ले गए। इस अवसर पर सुधीर जैन, चम्पक भाई एकता समिति, शकुंतला जैन दिगंबर जैन महिला परिषद, आदेश जैन सागर संस्था, महेश चौबे, कमल पहवा श्रीराम सेवा समिति, विनीता केशरवानी वैश्य महासम्मेलन, निधि जैन, सुभाष जैन सोशल ग्रुप, अतुल मिश्रा, पोपट भाई गुजराती समाज अध्यक्ष, एडवोकेट वीरेंद्र राजे, लाल सिंह बजरंग दल आदि उपस्थित थे।

# गाय का गोबर-लक्ष्मी का वास

**अनूठी पहल :** विचार समिति बना रही है गोबर से निर्मित दीपावली पूजन सामग्री, स्व सहायता समूह की महिलाओं एवं मोहल्ला विकास योजना की टीमों को मिल रहा है रोजगार

गोबर से निर्मित दिए का निर्माण करतीं हुई युवतियां।

गाय के गोबर में लक्ष्मी का वास माना गया है। इसलिए हवन-पूजन धार्मिक अनुष्ठानों के लिए गाय के गोबर का उपयोग सर्वोत्तम बताया गया है। लक्ष्मी पूजन गाय के गोबर से बने हुए दीपक, मूर्तियां, ओम, श्री, स्वास्तिक चिन्हों से घर में सुख, समृद्धि का वातावरण निर्मित होता है । गोबर से बने

शुभ-लाभ एवं श्री आंगन में गोबर का लेपन करने से रेडिएशन एवं वायरस बैक्टीरिया घर में प्रवेश नहीं करते। वैज्ञानिक शोधों के आधार पर अनेक चर्म रोग, गाय के गोबर एवं गौमूत्र से ठीक होते हैं। गोबर की बनी सामग्री बनाने का उद्देश्य लोगों के जीवन में सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करना तथा रोजगार एवं पर्यावरण, गौ संरक्षण को बढ़ावा देना है। विचार समिति पिछले 17

**विचार कार्यालय में पूजन किट की एक झलक।**

वर्षों से सागर सुधार- सागर विकास पर निरंतर अपनी सेवाएं दे रही है जिसमें शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण, रोजगार, जैविक खेती के माध्यम से बुंदेलखंड के विकास को प्रतिबद्ध है। प्रकल्पों में रोजगार के क्षेत्र में समिति द्वारा यह अनूठी पहल शुरू की गई है जिसमें गोबर से निर्मित उत्पादों की शुरुआत कर ओम, श्री, स्वास्तिक, शुभ-लाभ, भगवान गणेश की मूर्ति, माता लक्ष्मी जी की मूर्ति, दिए छोटे एवं बड़े, सामरानी कप आदि उत्पाद सामग्री बनाई जा रही है।

**निर्माण विधि :** रतौना गांव स्थित दयोदय गौशाला से गाय का शुद्ध उत्तम गोबर मंगवा कर, इसे सुखा कर आधुनिक पलप्लाइजर मशीनों की मदद से महीन बारीक पिसवाकर, प्रीमिक्स मिलाकर, अल्प मात्रा में मिट्टी मिलाकर पैकेट बनाए जा रहे हैं।

**नागपुर के गौ विज्ञान केंद्र से टीम ने लिया था प्रशिक्षण :** विचार समिति की टीम ने नागपुर स्थित स्वानंद गौ विज्ञान अनुसंधान केंद्र जाकर गोबर से निर्माण सामग्री का 1 सप्ताह का प्रशिक्षण लिया था। प्रशिक्षण उपरांत विचार टीम ने मोहल्ला विकास योजना से जुड़े परिवारों की महिलाओं एवं स्व

सहायता समूह की महिलाओं को प्रशिक्षित कर गोबर से बने पैकेट प्रदान किए। सामग्री निर्माण कार्य की विधि भी उन्हें समझाई गई।

**पूजन किट का विवरण :** पूजन सामग्री को तीन भागों में रखा गया है बड़ी किट, छोटी किट एवं दिया पैकेट

**बड़ी किट :** इस किट में 21 दिए, बड़ा दिया, शुभ-लाभ पानपत्ता, शुभ-लाभ बिस्किट, ओम, श्री, स्वास्तिक, फूलवाती एवं भगवान गणेश जी लक्ष्मी जी की मूर्ति, सामरानी कप, हल्दी, रोरी और चावल आदि शामिल है।

**सहयोग राशि :** 201 रुपये।

**छोटी किट :** इस किट में 16 दिए, एक बड़ा दिया, सामरानी कप, दियाबाती, हल्दी, रोरी और चावल आदि शामिल है।

**सहयोग राशि :** 75 रुपये।

**दिया पैकेट :** 21 दिए, दीयाबाती शामिल है।

**सहयोग राशि :** 51 रुपये।

---

**बिक्री केंद्र :** गोबर से निर्मित पूजन किट आप निम्न स्थान से प्राप्त कर सकते हैं।

**1. विचार कार्यालय, 258/1, मालगोदाम रोड, तिलकगंज वार्ड, आदिनाथ कार्स प्रा.लि. के पीछे, सागर**

**2. जवाहरगंज वार्ड, होटल मिड सिटी के बाजू से, कटरा बाजार, सागर**

**संपर्क : मो. नं. 9575737475, 07582-224488**

### गोबर से निर्मित पूजन किट का विमोचन कलेक्टर ने किया

# गौ संरक्षण, रोजगार, पर्यावरण के प्रति विचार समिति की अनूठी पहल : कलेक्टर दीपक आर्य

## मोहल्ला टीमों की महिलाओं को रोजगार मिल रहा है : कपिल मलैया

विचार समिति द्वारा गोबर से निर्मित दीपावली पूजन किट का विमोचन कलेक्टर ने किया।

विचार समिति की मोहल्ला विकास से जुड़ी महिलाओं एवं विचार स्व सहायता समूह की महिलाओं द्वारा तैयार की जा रही गोबर से निर्मित दीपावली पूजन किट का विमोचन सागर कलेक्टर दीपक आर्य द्वारा किया गया। विचार समिति संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया ने इस शुभ अवसर पर कहा कि समिति द्वारा चलाए जा रहे इस प्रकल्प का मुख्य उद्देश्य गौमाता का संरक्षण एवं महिलाओं को रोजगार की दिशा में जोड़ना है। इस प्रोजेक्ट में समिति 125 टीमों एवं 18 स्व सहायता समूहों के साथ कार्य कर रही है।

मीडिया प्रभारी अखिलेश समैया ने बताया कि आज से ही 6 से अधिक बिक्री केंद्रों के माध्यम से गोबर से बनाई हुई दीपावली पूजन किटों का बिक्रय प्रारंभ हो जाएगा जिनसे आने वाली राशि को विचार स्व सहायता समूह एवं मोहल्ला विकास टीमों की महिलाओं को प्रदान किया जाएगा। शहर के हृदय स्थल जवाहरगंज वार्ड में विचार समिति का प्रदर्श भी बनाया गया है जहां से विक्रय प्रारंभ कर दिया गया है साथ ही साथ तिलकगंज वार्ड, सिविल लाईन, मकरोनिया, तिली वार्ड में भी विचार सहायक

के मार्गदर्शन में आज से ही विक्रय प्रारंभ किया जा रहा है।

समिति के मुख्य संगठक नितिन पटैरिया ने कहा कि धार्मिक ग्रंथों में गोबर से बनी पूजन सामग्री का विशिष्ट स्थान एवं महत्व बताया गया है। कहते हैं जो पूजन के समय गोबर से निर्मित सामग्री का प्रयोग करता है उस घर में रिद्धि, सिद्धि के साथ साक्षात् मां लक्ष्मी स्वयं निवास करतीं हैं।

समिति उपाध्यक्ष सौरभ रांधेलिया ने बताया कि गोबर से निर्मित सामग्री के प्रति लोगों में बढ़-चढ़कर उत्साह देखने को मिल रहा है। अभी से मुंबई, पुणे, दिल्ली आदि शहरों से आर्डर मिलने शुरू हो चुके हैं। गोबर से निर्मित पूजन की सामग्री से वातावरण प्रदूषित नहीं होता कहते हुए समिति कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत द्वारा आभार व्यक्त किया गया।

इस अवसर पर सुरेंद्र जैन मालथौन, पंकज तिवारी, संजय अग्रवाल, आशुतोष शाह, संतोष स्टील, सौरभ उपकार, निकेश गुप्ता, सौरभ अग्रवाल, भुवनेश सोनी, आकाश जैन हार्डवेयर, राहुल अहिरवार, माधव यादव, जवाहर दाऊ साहित विचार समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

# छात्र और करियर के प्रति जागरूकता

विचार समिति शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने पर कार्य कर रही है। इसी ध्येय के साथ भुवनेश सोनी ने सेमरा बाग स्थित स्कूल में बच्चों से सामान्य चर्चा की। वार्ता के दौरान शिक्षा के प्रति जागरूकता, पढ़ाई में नई-नई विधियों के माध्यम से व्यवहारिक जीवन में उपयोग कैसे करें, विभिन्न विषयों की जानकारी प्रदान की।

प्राचार्य मीना पटेल एवं विशेषज्ञों के साथ स्नातक, स्नातकोत्तर, डिप्लोमा जैसे आईटीआई, नर्सिंग, डीसीए, पीजीडीसीए, टैली आदि के छात्रों को कैरियर काउंसलिंग के माध्यम से भविष्य में वे क्या कर सकते हैं विशेषज्ञों द्वारा व्यक्तिगत रूप से जानकारी दी गई।

इस वार्ता में भुवनेश सोनी ने बताया छात्रों के मन में विभिन्न प्रकार की कैरियर के प्रति जिज्ञासा होती हैं। सही समय पर गाइडेंस के माध्यम से छात्र अपने जीवन में सकारात्मक परिवर्तन ला सकते हैं।

समिति का उद्देश्य है कि भविष्य में विषयों से संबंधित विशेषज्ञों द्वारा बच्चों को कैरियर काउंसलिंग के प्रति जरूरी जानकारी समय-समय पर दिलाई जाएगी ताकि हर युवा शिक्षित होकर समाज एवं राष्ट्र निर्माण में महती भूमिका निभा सके।

प्राचार्य मीना पटेल ने कहा कि मानव के सर्वांगीण विकास का मूल शिक्षा है। एक न्याय संगत और समावेशी समाज के निर्माण और राष्ट्र के विकास में शिक्षा आवश्यक है। विचार समिति की यह अच्छी पहल है कि वह नीव पर कार्य कर रही है।

# विचार समिति द्वारा स्व सहायता समूह की महिलाओं को रोजगार देना सराहनीय कार्य : जिला एवं सत्र न्यायाधीश

## न्यायालय परिसर में विचार समिति ने गोबर के गणेश की मूर्ति न्यायाधीशों को भेंट की

विचार समिति एवं सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के संयुक्त तत्वावधान में गोबर के गणेश जिला एवं सत्र न्यायाधीश को भेंट किए।

जिला सत्र न्यायालय परिसर में विचार समिति द्वारा न्यायाधीशों को गोबर के गणेश जी की मूर्ति भेंट की गई। विचार समिति एवं सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के सहयोग से जिला अधिवक्ता संघ के पदाधिकारियों के साथ न्यायालय परिसर में यह कार्यक्रम संपन्न हुआ।

इस अवसर पर जिला एवं सत्र न्यायाधीश देव नारायण मिश्रा ने पर्यावरण के क्षेत्र में विचार टीम को मार्गदर्शन देते हुए अनेकों अभिनव प्रयोगों एवं नवीन तकनीकी के अपने अनुभवों को साझा किया। उन्होंने कहा कि विचार समिति द्वारा स्व सहायता समूह की महिलाओं को रोजगार देना सराहनीय कार्य है।

इस अवसर पर विचार संस्था के संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया ने बताया कि रोजगार देने के उद्देश्य से गोबर के गणेश मोहल्ला विकास के 125 टीमों के सदस्यों एवं स्व सहायता समूह की महिलाओं द्वारा बनाए गए हैं। समिति के मीडिया प्रभारी अखिलेश समैया ने समिति के प्रकल्पों की जानकारी दी व गोबर के गणेश की स्थापना एवं विसर्जन का महत्व बताया।

मार्गदर्शक राजेश सिंघई ने पर्यावरण एवं वृक्षारोपण के क्षेत्र में विचार समिति द्वारा संचालित अनेक योजनाओं के बारे में सभागृह में उपस्थित गणमान्य लोगों को

अवगत कराया।

जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष अंकलेश्वर दुबे ने भी विचारों की ताकत से बुंदेलखंड को बेहतर बनाने के अभियान को लेकर विचार समिति के संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया सहित पूरी टीम की कार्यप्रणाली का आभार व्यक्त किया।

समिति की कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम का आभार समिति उपाध्यक्ष सौरभ रांधेलिया ने माना एवं विचार समिति के मुख्य संगठक नितिन पटैरिया, भुवनेश सोनी, राहुल अहिरवार, पूजा प्रजापति, अरविंद, जवाहर दाऊ ने चंदन, रोरी लगाकर प्रतिमा भेंट की। कार्यक्रम में माननीय न्यायाधीश एवं अधिवक्ता संघ के पदाधिकारी, कार्यकारिणी सदस्य एवं अधिवक्ता गण उपस्थित थे।

# मियावाकी पद्धति से 3 माह पूर्व लगाए गये पौधे 6-8 फीट के हुए

मंगलगिरी में मियावाकी पद्धति से लगाए गए पौधों का निरीक्षण करते कपिल मलैया, डॉ. शैफाली मलैया।

3 माह पूर्व विचार समिति ने मंगलगिरी में स्व. श्रीमति आशारानी मलैया की स्मृति में मियावाकी पद्धति से आशा वन लगाया था। पौधों में वृद्धि के निरीक्षण हेतु औपचारिक भ्रमण में समिति संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया ने बताया कि मियावाकी पद्धति से 1500 पौधे लगाए गए थे। आज इनकी वृद्धि 6 से 8 फीट पहुंच गई। इन पौधों के लिए गोबर खाद, केंचुआ खाद, जैविक खादों तथा सागर के तालाब की मिट्टी का उपयोग किया गया था। हमारा प्रयास रहेगा इस तरह के वनों की वृद्धि की जाए। सचिव आकांक्षा मलैया ने बताया कि सागर शहर का यह दूसरा मियावाकी वन है। इतने कम समय में वन में काफी वृद्धि हुई है। यह हमारा पर्यावरण के प्रति सकारात्मक प्रयास है ।

# बच्चों को निःशुल्क पुस्तक वितरण

विचार कार्यालय में स्थित पुस्तक बैंक से बच्चों को निःशुल्क पुस्तक उपलब्ध करातीं समिति की सचिव आकांक्षा मलैया

विचार समिति ने बच्चों को निःशुल्क पुस्तकें उपलब्ध करवाईं। अगले 7 दिनों तक बच्चे विचार कार्यालय आकर निःशुल्क पुस्तकें ले जा सकते हैं एवं पुस्तक बैंक को पुस्तकें दे सकते हैं। इस अवसर पर विचार समिति सचिव आकांक्षा मलैया, भुवनेश सोनी, मनीष पटैल, कविता साहू एवं विचार समिति के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

# विचार सहायक द्वारा जरूरतमंद बच्चों को वस्त्र वितरण

विचार सहायक उमंग जैन ने जरूरतमंदों को कपड़े बांटे।

विचार समिति की मोहल्ला विकास योजना के अंतर्गत तुलसी नगर वार्ड में जरूरतमंद परिवारों तक पहुंच कर विचार सदस्य उमंग जैन पिता संजय जैन, माता अनीता जैन एवं भाई उत्सव जैन, उत्साह जैन ने प्रथम वेतन मिलने पर विचार परिवारों को स्वल्पाहार कराकर कपड़े बांटे। इस अवसर पर विचार सहायक उमंग जैन ने कहा कि यदि हम किसी की मदद कर सकें तो बहुत अच्छा है। इस अवसर पर समिति की कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत समन्वयक ममता अहिरवार, पालक आदि उपस्थित रहे ।

# विद्यार्थी व शिक्षक की जिज्ञासा से बढ़ेगी गुणवत्ता

## विचार समिति की संगोष्ठी में शिक्षाविदों के विचार

विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने के उपायों पर विचार समिति द्वारा मेजेस्टिक प्लाजा सागर में संगोष्ठी रखी गई जिसमें शिक्षा से जुड़े अधिकारी कर्मचारियों व गणमान्य नागरिकों ने सम्मिलित होकर अपने विचार रखे।

### सम्मान के लिए साख बनानी पड़ती हैं - डॉ. मनीष वर्मा

सागर संभाग लोक शिक्षण के संयुक्त संचालक डॉ. मनीष वर्मा ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की आज आवश्यकता है। गतिविधि आधारित शिक्षण में गतिविधि कराने की आवश्यकता है। समाज के हर क्षेत्र में गिरावट आई हैं इसका असर शिक्षा में भी दिख रहा है। इस स्थिति में शिक्षकों को स्थापित करना होगा, पूरे मन से काम करना होगा। अधूरे मन से किया गया काम असफलता की निशानी है। सुधार के लिए अभिभावकों से निरन्तर संपर्क करें। ध्यान रखें सम्मान के लिए साख बनानी पड़ती है। यह साख काम के आधार पर बहुत दिनों में बनती है। जिस दिन विद्यालय का नामांकन बढ़ने लगे तो समझना कि हम सफल हो रहे हैं। उन्होंने अच्छे कार्यों के कई संस्मरण सुनाकर सकारात्मक चिंतन व जिज्ञासु बनने की सलाह भी दी।

### आज उपदेश नहीं अमल की आवश्यकता-डॉ. ललित मोहन

डॉ. हरीसिंह गौर विश्विद्यालय के शिक्षाविद् डॉ. ललित मोहन ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में प्राथमिक शिक्षक सबसे ज्यादा काम करते हैं उनका वेतन सबसे ज्यादा होना चाहिये, क्योंकि उनकी मेहनत सबसे ज्यादा है। शिक्षक व विद्यार्थियों में प्रश्न पूछने की आदत होनी चाहिये। उन्हें जिज्ञासु होना चाहिये। शिक्षक का रोल मदारी जैसा होना चाहिये। उसे बच्चों का दिल जीतने की कला आनी चाहिए।

### शिक्षा नीति की जगह विद्या नीति की आवश्यकता - डॉ. कृष्णा राव

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के शिक्षाविद् डॉ. कृष्णा राव ने कहा कि बच्चे की ज्ञान पिपासा कभी कम नहीं होती। निर्माण व विनाश

शिक्षक के हाथ हैं। हमें अपनी ताकत पहचानने की आवश्यकता है। स्कूली शिक्षा व उच्च शिक्षा के बीच एक ब्रिज बनाने की आवश्यकता है। आज देश को विद्या नीति की आवश्यकता है तभी गुणवत्ता आ सकती हैं।

**ज्ञान गूगल पर नहीं है-राजेन्द्र महावीर**

सनावद् से आये शिक्षाविद् राजेन्द्र महावीर सनावद् ने कहा कि आज सब ज्ञान के लिए गूगल पर सर्च करते हैं जबकि गूगल पर ज्ञान नहीं है, गूगल पर तो जानकारियां हैं। ज्ञान हमारी नैसर्गिक प्रतिभा है जो हमारी विचार करने की शक्ति से आती हैं। संचालन करते हुए उन्होंने कई सुझाव देते हुए कहा कि प्राथमिक विद्यालय में प्रत्येक कक्षा के लिए अलग शिक्षक होना चाहिये।

विचार समिति के मीडिया प्रभारी अखिलेश समैया ने बताया कि संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया ने उक्त आयोजन की परिकल्पना की थी। संगोष्ठी की अध्यक्षता सौरभ रांधेलिया ने करते हुए कहा कि विचार समिति हर क्षेत्र में कार्य कर रही है। शिक्षा की गुणवत्ता व उन्नयन के लिए समिति हमेशा कार्य करती रहेगी। संयोजक मनीष विद्यार्थी शाहगढ़, अनिल शास्त्री सागर, विचार समिति की कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता जैन, नितिन पटैरिया आदि ने अतिथियों को गाय के गोबर से बनी पूजा सामग्री, 'बड़े भैया की पाती' पुस्तक व स्मृति चिन्ह भेंट किये। इस अवसर पर बुंदेली भाषा के कवि हरगोविंद विश्व, राजेश सिंघई, श्रीयांश जैन, प्राचीश जैन, आशुतोष गोस्वामी, सी जे फिलिप, कमलेश जैन, प्रीति केशरवानी, राम मिश्रा, भुवनेश सोनी, राहुल अहिरवार, माधव यादव, बद्री सेन, अरविंद जी, सुमति प्रकाश जैन, डॉ. आशीष आचार्य व शिक्षा विभाग के अनेक अधिकारी, एस. बंसल, ब्रजेश जैन, एस. आर. पटैरिया एवं संदीप नाहर, आभा जैन, संदीप कुमार जैन, कमलेश जैन, अरविंद जैन, डॉ आशुतोष गोस्वामी आदि उपस्थित थे। इस अवसर पर खुला मंच भी हुआ जिसमें शिक्षकों ने अपनी समस्याओं से अवगत कराया। संगोष्ठी का संचालन राजेन्द्र महावीर सनावद् ने किया।

# निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर

चिरायु हॉस्पिटल एवं रिसर्च सेंटर भोपाल द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इस कार्य में विचार समिति ने अपना सहयोग दिया। सहयोगी सदस्यों में विचार समिति कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत, सहायक ज्योति सराफ, पूजा पड़ेले, नीपा दिवाकर, मीना जैन, ऋचा जैन, मेघा जैन, शैली जैन, मथुरा जैन, लवली जैन, महिमा जैन, सीमा जैन, मीना पटेल, श्वेता पटेल, नेहा पटेल, श्रद्धा कुशवाहा, पार्वती पटेल आदि सहयोगी रहे।

# मीडिया कवरेज

## दैनिक भास्कर मध्यप्रदेश के सभी एडीशन में इस खबर को प्रमुखता से प्रकाशित किया गया

दैनिक भास्कर सागर 06-09-2021

### न पीओपी, न मिट्टी, सागर में बन रहे गोबर के गणेश, ईको फ्रेंडली अभियान से जुड़कर 350 से ज्यादा महिलाओं को मिला रोजगार, घर बैठे हो रही कमाई

मंडे पॉजिटिव

संदीप तिवारी | सागर



देशभर में जहां ईको फ्रेंडली (मिट्टी के गणेश) की प्रतिमाएं स्थापित करने का चलन बढ़ रहा है। वहीं सागर में पर्यावरण प्रदूषण रोकने के लिए गोबर के गणेश की प्रतिमाएं बन रही हैं। गोबर के गणेश की प्रतिमाओं के इस अभियान में 350 से ज्यादा महिलाओं को रोजगार भी मिला है।

यह पहल शहर की विचार समिति द्वारा शुरू की गई है। इस पहल से महिलाएं घर बैठे एक दिन में तीन से चार गणेश प्रतिमाएं बनाकर 250 रुपए तक कमा रही हैं। विचार समिति के संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया ने बताया कि अभियान का उद्देश्य पर्यावरण, गौमाता का संरक्षण एवं बेरोजगार महिलाओं को रोजगार देना है। समिति महिलाओं द्वारा बनाई गई गोबर के गणेश की प्रतिमाओं को बाजार में बेचेगी। महिलाओं द्वारा अभी तक 800 से ज्यादा गोबर के गणेश की प्रतिमाएं बना चुकी हैं। समिति द्वारा 2000 प्रतिमाएं बनाने का लक्ष्य रखा गया है।

गणेशोत्सव के बाद संस्था द्वारा दीपावली के लिए ॐ, श्री, स्वास्तिक, शुभ-लाभ, भगवान गणेश, लक्ष्मीजी की प्रतिमाएं भी गोबर से बनवाई जाएंगी। ताकि महिलाओं को रोजगार मिल सके।



विचार समिति द्वारा चलाया जा रहा गोबर के गणेश बनाने का अभियान

सागर में पर्यावरण प्रदूषण रोकने के लिए गोबर के गणेश की प्रतिमाएं बन रही हैं। प्रतिमाएं बनाती युवतियां।

#### नागपुर के गौ-विज्ञान केंद्र से टीम ने लिया था प्रशिक्षण

कपिल मलैया ने बताया कि गोबर से प्रतिमाएं एवं पूजन सामग्री बनाने का प्रशिक्षण विचार समिति की टीम ने नागपुर स्थित स्वानन्द गौविज्ञान अनुसंधान केंद्र से लिया। फिर शहर की महिलाओं को यह प्रशिक्षण दिया। शहर के 33 वार्डों में महिलाएं प्रतिमाएं बनाने का काम चल रहा है।

#### शहर की 65 समितियों को अभियान से जोड़ा

महिलाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए विचार की टीम ने इस अभियान से शहर की 65 संस्थाओं को जोड़ा है। एक संस्था को एक मोहल्ला दिया गया है। विचार की टीम संस्था के साथ जाकर लोगों को जागरुक करने का काम करती है।

---

दैनिक भास्कर इंदौर 06-09-2021

### न पीओपी, न मिट्टी, सागर में बन रहे गोबर के गणेश, 350 से ज्यादा महिलाओं को मिला रोजगार

मंडे पॉजिटिव



---

दैनिक भास्कर होशंगाबाद 06-09-2021

### न पीओपी, न मिट्टी, सागर में बन रहे गोबर के गणेश

संदीप तिवारी | सागर. देशभर में जहां ईको फ्रेंडली (मिट्टी के गणेश) की प्रतिमाएं स्थापित करने का चलन बढ़ रहा है। वहीं सागर में पर्यावरण प्रदूषण रोकने के लिए गोबर के गणेश की प्रतिमाएं बन रही हैं। गोबर के गणेश की प्रतिमाओं के इस अभियान में 350 से ज्यादा महिलाओं को रोजगार भी मिला है। यह पहल शहर की विचार संस्था द्वारा शुरू की गई है। इस पहल से महिलाएं घर बैठे एक दिन में तीन से चार गणेश प्रतिमाएं बनाकर 250 रुपए तक कमा रही हैं। विचार संस्था के कपिल मलैया ने बताया कि अभियान का उद्देश्य पर्यावरण, गौमाता का संरक्षण एवं बेरोजगार महिलाओं को रोजगार देना है। संस्था महिलाओं द्वारा बनाई गई गोबर के गणेश की प्रतिमाओं को बाजार में बेचेगी। महिलाओं द्वारा अभी तक 800 से ज्यादा गोबर के गणेश की प्रतिमाएं बना चुकी हैं।

---

दैनिक भास्कर मन्दसौर 06-09-2021

### न पीओपी, न मिट्टी, सागर में बन रहे गोबर के गणेश

ईको फ्रेंडली अभियान से जुड़कर 350 से ज्यादा महिलाओं को मिला रोजगार, घर बैठे हो रही कमाई



---

दैनिक भास्कर श्योपुर 06-09-2021

### न पीओपी, न मिट्टी, सागर में बन रहे गोबर के गणेश

---

दैनिक भास्कर उज्जैन 06-09-2021

### सागर में बन रहे गोबर के गणेश



ईको फ्रेंडली अभियान से जुड़कर 350 से ज्यादा महिलाओं को मिला रोजगार, घर बैठे हो रही कमाई

संदीप तिवारी | सागर

# मीडिया कवरेज

दैनिक भास्कर सागर 04-09-2021

**प्रोत्साहन** • विचार समिति ने शहर में 1133 स्थानों पर किया था झंडावंदन

## झंडावंदन में अच्छी प्रस्तुति देने पर 51 परिवार के 150 बच्चों को सर्टिफिकेट-मेडल बांटे

भास्कर संवाददाता | सागर

विचार समिति ने 15 अगस्त को हुए झंडावंदन कार्यक्रम का सम्मान समारोह किया। स्वतंत्रता दिवस पर नगरवासियों ने 1133 जगह झंडावंदन किया था। आयोजन समिति ने कार्यक्रम में भाग लेने वाले प्रतिभागियों में सबसे सुसज्जित और आकर्षक प्रस्तुतियां देने वालों में शामिल 51 परिवारों के 150 बच्चों का सम्मान जवाहर गंज वार्ड में किया। बच्चों को सर्टिफिकेट और मेडल से सम्मानित किया गया।

समिति के संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया ने बताया कि बहुत लोगों के मन में इच्छा रहती है कभी हमको भी झंडावंदन करने का मौका मिले। यही मौका आपको मिले, इस सोच के साथ विचार समिति ने झंडावंदन करने का निर्णय लिया था। उन्होंने ने राष्ट्रीय ध्वज में रंगों के मायने और महत्व भी बताए। कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता जैन अरिहंत ने कहा सम्मान पाने वालों की खुशी देखकर मन प्रफुल्लित हो गया। मुख्य संगठक नितिन पटैरिया ने विचार मोहल्ला टीमों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में गोबर से निर्मित गणेशजी की मूर्ति, पूजन सामग्री, दीपक आदि की उपलब्धता का उद्घाटन भी हुआ। संचालन मीडिया प्रभारी अखिलेश समैया ने किया। इस मौके पर सुधीर जैन, चंपक भाई एकता समिति, शकुंतला जैन दिगंबर जैन महिला परिषद, आदेश जैन सागर संस्था, महेश चौबे, कमल पहवा श्रीराम सेवा समिति, विनीता केशरवानी वैश्य महासम्मेलन, निधि जैन, सुभाष जैन सोशल ग्रुप, अतुल मिश्रा, पोपट भाई गुजराती समाज अध्यक्ष, एडवोकेट वीरेंद्र राजे, लाल सिंह बजरंग दल आदि मौजूद थे।

## विचार समिति ने 51 परिवार के 150 बच्चों का सम्मान किया

**स्वतंत्रता दिवस पर 1133 जगह विचार समिति ने झंडावंदन किया था**

सागर, देशबन्धु। विचार समिति ने 15 अगस्त को किए गए झंडावंदन कार्यक्रम का सम्मान समारोह आयोजित किया। इसमें नगवासियों ने सहभागिता रखते हुए 1133 जगह झंडावंदन किया था। आयोजन समिति ने कार्यक्रम में भाग लेने वाले प्रतिभागियों में सबसे सुसज्जित और आकर्षक प्रस्तुतियां देने वालों को एक मंच प्रदान कर सम्मान कार्यक्रम होना निश्चित किया था। आज उसी को लेकर चयनित प्रतिभागियों में शामिल 51 परिवारों के 150 बच्चों का सम्मान समारोह कार्यक्रम जवाहरगंज वार्ड के मलैया परिसर में रखा गया। जिसमें बच्चों को सर्टिफिकेट और मेडल से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में गोबर से निर्मित गणेश जी, पूजन सामग्री, दिए आदि की विक्रय व्यवस्था का उद्घाटन भी हुआ।

## विचार समिति ने 51 परिवार के 150 बच्चों का किया सम्मान, 1133 जगह हुआ था झंडावंदन



**प्रदेश टुडे संवाददाता, सागर**

विचार समिति ने 15 अगस्त को किए गए झंडावंदन कार्यक्रम का सम्मान समारोह आयोजित किया। इसमें नगवासियों ने सहभागिता रखते हुए 1133 जगह झंडावंदन किया था। आयोजन समिति ने कार्यक्रम में भाग लेने वाले प्रतिभागियों में सबसे सुसज्जित और आकर्षक प्रस्तुतियां देने वालों को एक मंच प्रदान कर सम्मान कार्यक्रम होना निश्चित किया था। शुक्रवार को उसी को लेकर चयनित प्रतिभागियों में शामिल 51 परिवारों के 150 बच्चों का सम्मान समारोह कार्यक्रम जवाहर गंज वार्ड के मलैया परिसर में रखा गया। जिसमें बच्चों को सर्टिफिकेट और मेडल से सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में विचार संस्था के संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया ने बताया कि बहुत लोगों के मन में इच्छा रहती है कभी हमको भी झंडावंदन करने का मौका मिले। यही मौका आपको मिले, इस सोच के साथ विचार समिति ने झंडावंदन करने का निर्णय लिया था। श्री मलैया ने राष्ट्रीय ध्वज में रंगों के मायने और महत्व को बताया। तथा सफेद रंग स्वच्छता और ईमानदारी का प्रतीक है।

**आयोजन** 1133 जगह विचार समिति ने झंडावंदन किया था

## 51 परिवारों के 150 बच्चों का सम्मान किया

**सागर, आचरण संवाददाता**

विचार समिति ने 15 अगस्त को किए गए झंडावंदन कार्यक्रम का सम्मान समारोह आयोजित किया। इसमें नगवासियों ने सहभागिता रखते हुए 1133 जगह झंडावंदन किया था। आयोजन समिति ने कार्यक्रम में भाग लेने वाले प्रतिभागियों में सबसे सुसज्जित और आकर्षक प्रस्तुतियां देने वालों को एक मंच प्रदान कर सम्मान कार्यक्रम होना निश्चित किया था।

आज उसी को लेकर चयनित प्रतिभागियों में शामिल 51 परिवारों के 150 बच्चों का सम्मान समारोह कार्यक्रम जवाहर गंज वार्ड के मलैया परिसर में रखा गया। जिसमें बच्चों को सर्टिफिकेट और मेडल से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में विचार संस्था के संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया ने बताया कि बहुत लोगों के मन में इच्छा रहती है कभी हमको भी झंडावंदन करने का मौका मिले। यही मौका आपको मिले, इस सोच के साथ विचार समिति ने झंडावंदन करने का निर्णय लिया था। श्री मलैया ने राष्ट्रीय ध्वज में रंगों के मायने और महत्व बताते हुए कहा कि केसरिया रंग बलिदान तथा त्याग का प्रतीक है, साथ ही अध्यात्मिक दृष्टि से यह हिन्दु, बौद्ध तथा जैन जैसे अन्य धर्मों के लिए आस्था का प्रतीक है। सफेद रंग शान्ति का प्रतीक है तथा सफेद रंग स्वच्छता और ईमानदारी का प्रतीक है। हरा रंग खुशहाली और प्रगति का प्रतीक है तथा हरा रंग बीमारीयों को दूर रखता है, आखों को सुकून देता है।

समिति की कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने बताया कि सम्मान पाने वालों की खुशी देखकर मन प्रफुल्लित हो गया। ऐसा लग रहा है कि हर वर्ष समिति द्वारा 1100 नहीं 11000 जगह झंडा वंदन किया जाए। समिति के मुख्य संगठक नितिन पटेरिया ने विचार मोहल्ला टीमों का आभार व्यक्त करते हुए बताया कि झंडा वंदन के पूर्व में एक डेमो वीडियो बनाकर 1100 से अधिक परिवारों तक प्रेषित किया गया था जिसके चलते हम झंडा वंदन के इस कार्यक्रम को सफलता की ओर ले गए। कार्यक्रम में गोबर से निर्मित गणेश जी, पूजन सामग्री, दिए आदि की विक्रय व्यवस्था का उद्घाटन भी हुआ। इस अवसर पर सुधीर जैन, चम्पक भाई एकता समिति, शकुंतला जैन दिगंबर जैन महिला परिषद, आदेश जैन सागर संस्था, महेश चौबे, कमल पहवा श्रीराम सेवा समिति, विनीता केशरवानी वैश्य महासम्मेलन, निधि जैन, सुभाष जैन सोशल ग्रुप, अतुल मिश्रा, पोपट भाई गुजराती समाज अध्यक्ष, एडवोकेट वीरेंद्र राजे, लाल सिंह बजरंग दल आदि उपस्थित थे।

# मीडिया कवरेज

दैनिक भास्कर सागर 24-09-2021

## गोबर से बनी पूजन किट का विमोचन, कलेक्टर बोले- गौ संरक्षण, रोजगार एवं पर्यावरण के लिए यह कारगर पहल

पहल • विचार समिति ने की शुरुआत, 125 टीमों एवं 18 स्व सहायता समूहों के साथ कार्य कर रही हैं महिलाएं

भास्कर संवाददाता | सागर

गुरुवार को विचार समिति की मोहल्ला विकास से जुड़ी महिलाओं एवं विचार स्व सहायता समूह की महिलाओं द्वारा तैयार की जा रही गोबर से निर्मित दीपावली पूजन की किट का विमोचन कलेक्टर दीपक आर्य ने किया। उन्होंने कहा गौ संरक्षण, रोजगार, पर्यावरण के प्रति विचार समिति की यह अनूठी पहल है। विचार समिति के संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया ने कहा समिति द्वारा चलाए जा रहे इस प्रकल्प का मुख्य उद्देश्य गौमाता का संरक्षण एवं महिलाओं को रोजगार की दिशा में जोड़ना है। इस पर समिति 125 टीमों एवं 18 स्व सहायता समूहों के साथ कार्य कर रही है। मीडिया प्रभारी अखिलेश समैया ने बताया कि गुरुवार से ही 6 से अधिक बिक्री केंद्रों के माध्यम से गोबर से बनाई हुई दीपावली पूजन किटों का विक्रय प्रारंभ हो जाएगी जिससे आने वाली राशि को विचार स्व. सहायता समूह एवं मोहल्ला विकास टीमों की महिलाओं को प्रदान किया जाएगा। शहर के हृदय स्थल जवाहरगंज वार्ड में विचार समिति का डिस्प्ले भी बनाया गया है जहां से विक्रय प्रारंभ कर दिया गया है साथ ही साथ तिलकगंज वार्ड, सिविल लाइन, मकरोनिया, तिली वार्ड में भी विस्तार सहायक के मार्गदर्शन में आज से ही विक्रय प्रारंभ किया जा रहा है। समिति उपाध्यक्ष सौरभ रांधेलिया ने बताया गोबर से निर्मित सामग्री के प्रति लोगों में बढ़-चढ़कर उत्साह देखने को मिल रहा है। अभी से मुंबई, पुणे, दिल्ली आदि शहरों से आर्डर मिलने शुरु हो चुके है। समिति की कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने आभार माना। इस मौके पर सुरेंद्र जैन मालथौन, पंकज तिवारी, संजय अग्रवाल, आशुतोष शाह, संतोष स्टील, सौरभ डफरार, निकेश गुप्ता, सौरभ अग्रवाल, भुवनेश सोनी, आकाश जैन, राहुल अहिरवार, माधव यादव, जवाहर आदि मौजूद थे।

सागर | कलेक्टर ने गोबर से बने उत्पादों का लोकार्पण किया।

### गोबर से बनी पूजन सामग्री का विशिष्ट महत्व है : पटैरिया

समिति मुख्य संगठक नितिन पटैरिया ने कहा धार्मिक ग्रंथों में गोबर से बनी पूजन सामग्री का विशिष्ट स्थान एवं महत्व बताया गया है। जो पूजन के समय गोबर से निर्मित सामग्री का प्रयोग करता है उस घर में रिद्धि, सिद्धि के साथ साक्षात् मां लक्ष्मी स्वयं निवास करती हैं।

दैनिक भास्कर सागर 12-09-2021

## महिलाओं को रोजगार देना सराहनीय कार्य है : डीजे

विचार समिति ने गोबर के गणेश न्यायाधीशों को भेंट किए

भास्कर संवाददाता | सागर

जिला सत्र न्यायालय परिसर में विचार समिति द्वारा न्यायाधीशों को गोबर के गणेश की मूर्ति भेंट की गई। विचार समिति एवं सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के सहयोग से जिला अधिवक्ता संघ के पदाधिकारियों के साथ न्यायालय परिसर में यह कार्यक्रम हुआ।

जिला एवं सत्र न्यायाधीश देवनारायण मिश्रा ने पर्यावरण के क्षेत्र में विचार टीम को मार्गदर्शन देते हुए अनेकों अभिनव प्रयोगों एवं नवीन तकनीकी के अपने अनुभवों को साझा किया। उविचार संस्था के संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया ने बताया रोजगार देने के उद्देश्य से गोबर के गणेश मोहल्ला विकास के 125 टीमों के सदस्यों एवं स्वसहायता समूह की महिलाओं द्वारा बनाए गए हैं। समिति के मीडिया प्रभारी अखिलेश समैया ने समिति के प्रकल्पों की जानकारी दी व गोबर के गणेश की स्थापना एवं विसर्जन का महत्व बताया।

जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष डॉ. अंकलेश्वर दुबे ने भी विचारों की ताकत से बुंदेलखंड को बेहतर बनाने के अभियान को लेकर विचार समिति की सराहना की। समिति की कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने भी विचार रखे। आभार समिति उपाध्यक्ष सौरभ रांधेलिया ने माना। विचार समिति के मुख्य संगठक नितिन पटैरिया, भुवनेश सोनी, राहुल अहिरवार, पूजा प्रजापति, अरविंद, जवाहर ने प्रतिमा भेंट की।

## न्यायालय परिसर में विचार समिति ने गोबर के गणेश की मूर्ति न्यायाधीशों को भेंट की

सागर, देशबन्धु। जिला सत्र न्यायालय परिसर में विचार समिति द्वारा न्यायाधीशों को गोबर के गणेश जी की मूर्ति भेंट की गई। विचार समिति एवं सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के सहयोग से जिला अधिवक्ता संघ के पदाधिकारियों के साथ न्यायालय परिसर में यह कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस अवसर पर जिला एवं सत्र न्यायाधीश देव नारायण मिश्रा ने पर्यावरण के क्षेत्र में विचार टीम को मार्गदर्शन देते हुए अनेकों अभिनव प्रयोगों एवं नवीन तकनीकी के अपने अनुभवों को साझा किया। उन्होंने कहा कि विचार समिति द्वारा स्व सहायता समूह की महिलाओं को रोजगार देना सराहनीय कार्य है। विचार समिति के संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया सहित पूरी टीम की कार्यप्रणाली का आभार व्यक्त किया।कार्यक्रम में 28 से अधिक न्यायाधीश एवं अधिवक्ता संघ के



पदाधिकारी, कार्यकारिणी सदस्य एवं अधिवक्ता उपस्थित थे।

www.freepressjournal.in FREE PRESS
SATURDAY | SEPTEMBER 25, 2021 | BHOPAL

## SHGs make diwali puja kits from cow dung, collector launches them

FP NEWS SERVICE
Sagar

Collector Deepak Arya on Thursday inaugurated the Diwali Pujan Kit made from cow dung by the women of self-help groups and Mohalla Vikas Sameeti.

The founder of the Vichar Sameeti, Kapil Malaiya, said the campaign would help in conserving cattle and at the same time employing the women.

As many as 125 teams of Sameetis and 18 self-help groups have been working on the same.

Media in charge Akhilesh Samaiya said, "The sale of the kits made from cowdung is set to begin from today. The earnings will then be distributed among the women of SHGs and the Mohalla Sameeti members."

A display has been put up at Jawahar Nagar ward where the sale has begun. New shops will be set up soon at Tilakganj ward, civil lines, Makroniya and Tili ward.

The vice-chairman of the Sameeti, Saurabh Radheliya, said, "We have received orders from Delhi, Mumbai and Pune as well. People have shown keen interest in our products."

### NSS CELEBRATES FOUNDATION DAY

Morena: The National Service Scheme members celebrated the foundation day on Friday in the city. The celebration was organised at the Meeting Hall of the Government College. As many as 78 students with principal, professors and lecturers attended the event. Principal Kamlesh Shrivastava told the students about NSS in detail. Programme officer Mukta Aggarwal informed them about the history of the voluntary group.

बैठक

विद्यार्थी व शिक्षक की जिज्ञासा से बढ़ेगी गुणवत्ता, विचार संगोष्ठी में शिक्षाविदों ने रखे विचार

## सम्मान के लिए साख बनानी पड़ती है : डॉ. वर्मा

## ॥ विचार समिति ॥

(स्थापना वर्ष 2003)

# निवेदन

आपसे निवेदन है कि अधिक से अधिक मात्रा में दान देकर इस मुहिम को आगे बढ़ाने में सहयोग करें।

दान राशि बैंक खाते में डालने हेतु जानकारी इस प्रकार है।

Bank a/c name- VicharSamiti
Bank- State Bank of India
Account No.- 37941791894
IFSC code- SBIN0000475
Paytm/ Phonepe/ Googlepay/ upi
आदि दान करने के लिए नीचे दिए गए
QR कोड को स्कैन करें.

## - संपर्क -

Website : vicharsanstha.com
Facebook : Vichar Sanstha
Youtube : Vichar Samachar
Ph. No. : 9575737475, 9009780042, 07582-224488
Address : 258/1, Malgodam Road, Tilakganj Ward, Behind Adinath Cars Pvt. Ltd, Sagar (M.P.) 470002